भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †820

सोमवार, 12 दिसम्बर, 2022/21 अग्रहायण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

वन्यजीव और वन पर्यटन

†820. श्री रामदास तडसः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में संवहनीय वन्यजीवन और वन-पर्यटन के लिए कोई योजना बनाई गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में इसकी संभावनाएं क्या हैं;

(ग) क्या देश में वन्यजीवन और वन-पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं;

(घ) यदि हां, तो महाराष्ट्र राज्य सहित देश में अधिसूचित बाघ रिजर्वों, राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में वन्यजीव और वन पर्यटन की संभावनाओं का दोहन करने और इसका संवर्धन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) क्या संवहनीय वन्यजीवन और वन पर्यटन के विकास में हितधारकों के रूप में स्थानीय समुदायों को शामिल करने के लिए कोई योजना बनाई गई है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा गत पांच वर्षों के दौरान संवहनीय वन्यजीवन और वन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रदान की गई निधि का महाराष्ट्र सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (च): पर्यटन मंत्रालय ने (i) स्थायी पर्यटन एवं (ii) ईको पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीतियाँ तैयार की है।

ईको/स्थायी पर्यटन हेतु निम्नलिखित रणनीतिक स्तंभों को चिह्नित किया गया है:-

i. पर्यवरणीय स्थिरता का संवर्धन
ii. जैव विविधता का संरक्षण
iii. आर्थिक स्थिरता का संवर्धन
iv. सामाजिक- सांस्कृतिक स्थिरता का संवर्धन
v. स्थायी पर्यटन के प्रमाणन हेतु योजना
vi. आईईसी तथा क्षमता निर्माण

vii. शासन

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास हेतु 15 थीमैटिक थीमों में वन्यजीव और ईको परिपथ को चिह्नित किया है। उपरोक्त परिपथों में देश के राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य एवं रिजर्व शामिल हैं। स्वदेश दर्शन योजना के ईको तथा वन्यजीव परिपथों के तहत विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

उपरोक्त के अलावा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने यह सूचित किया है कि उन्होंने सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के लिए वन तथा वन्यजीव क्षेत्र-2021 में स्थायी ईको पर्यटन हेतु दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

****

अनुबंध

वन्यजीव और वन पर्यटन के सम्बन्ध में दिनांक 12.12.2022 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †820 के भाग (क) से (च) के भाग के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के ईको एवं वन्यजीव परिपथों के तहत देश में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

ईको परिपथ (राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि
1.	उत्तराखण्ड	2015-16	टिहरी-चंबा-सरैन में टिहरी झील के आसपास परिपथ का विकास	69.17	65.71
2.	तेलंगाना	2015-16	महबूबनगर जिले में (सोमाशिला, सिंगोतम, कदलीवनम, अक्कामहादेवी, ईगलानपंटा, फरहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेतीर्थम) परिपथ का विकास	91.62	87.03
3.	केरल	2015-16	पथनमथिट्टा – गावी – वागमोन-थेक्कडी का विकास	64.08	61.24
4.	मिजोरम	2016-17	आइज़ोल- रावपुइछिप- कॉवफवप- लेंगपुई – डर्टलैंग- चेतलांग- सकोरमुइतुइतलांग-मूथी – बेरतलांग-तुरियल एयरफिल्ड-मूईफांग में ईको एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37	49.53
5.	मध्य प्रदेश	2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध– ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध – तवा बांध – बरगी बांध – भेड़ाघाट – बाणसागर बांध – केन नदी का विकास	93.92	88.58
6.	झारखण्ड	2018-19	डालमा – चांडिल – गेतलसुद-बेतला राष्ट्रीय उद्यान – मिर्चैया-नेतरहाट का विकास	30.11	26.37
			कुल	**415.27**	**378.47**

वन्यजीव परिपथ **(**राशि करोड़ रु. में**)**

क्र. सं.	राज्य का नाम	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि
1.	मध्य प्रदेश	2015-16	पन्ना- मुकुंदपुर- संजय- डुबरी- बांधवगढ़- कान्हा- मुक्की- पेंच में परिपथ का विकास।	92.10	86.31
2.	असम	2015-16	मानस - प्रोबीतोरा - नामेरी - काजीरंगा - डिब्रू - सैखोवा का विकास।	94.68	89.94
			कुल	**186.78**	**176.25**

****